

25-8/72

पत्राली रीश हुई। जधी वकील अपकी
 कदी वकील ने अलग करणा कि बाकी अपकी
 बाकी नही चलना चाहती। बाकी अलग
 उर में रजामि कसना चाहती। अपकी अर
 23/19 नाम मरीम बनाम रीशक लाल गोड़ी
 में रजामि किया जाता है। पत्राली रीश
 धर मर मर से कम थी।

रूपखण्ड अधिकारी
 विण्डेन सिटी (कौली)